No. of Printed Pages : 3 **BSKE–143**

बी. ए. (सामान्य)/बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत

(बी. ए. जी./बी. ए. एस. के. एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

बी.एस.के.ई.-143 : संस्कृत परम्परा में दर्शन, धर्म और संस्कृति

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में* ***तीन*** *खण्ड हैं। तीनों खण्ड अनिवार्य हैं। निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $3 \times 20 = 60$

   (i) सांख्य दर्शन का उद्देश्य एवं मुख्य सिद्धान्तों की विवेचना कीजिए।

(ii) योगदर्शन के अष्टांग योग की व्याख्या कीजिए और जीवन में इसकी प्रासंगिकता का उल्लेख कीजिए।

(iii) धर्म की परिभाषा और उसकी व्यापकता का वर्णन संस्कृत शास्त्रों के सन्दर्भ में कीजिए।

(iv) भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों का वर्णन कीजिए।

(v) संस्कारों का व्यक्ति तथा समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है ? विस्तार से उल्लेख कीजिए।

(vi) गीता में कर्मयोग की अवधारणा का विश्लेषण कीजिए।

खण्ड—ख

(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

$3 \times 10 = 30$

(i) पुरुषार्थ के **चार** प्रमुख अंगों का जीवन में महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

(ii) भगवद्गीता के अनुसार स्वधर्म की अवधारणा को समझाइए।

(iii) सत्कार्यवाद क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

(iv) वैशेषिक दर्शन की विषय-वस्तु का वर्णन कीजिए।

(v) भारतीय दर्शन के चेतन-तत्त्व की विवचेना कीजिए।

(vi) बुद्ध के **चार** आर्य सत्यों की व्याख्या कीजिए।

खण्ड—ग

(अति लघु-उत्तरीय प्रश्न)

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ दीजिए :

$2 \times 5 = 10$

(i) दर्शन

(ii) परिणामवाद

(iii) निष्काम कर्म

(iv) ब्रह्मचर्य आश्रम

× × × × ×